



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 454]
No. 454]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अगस्त 16, 1991/श्रावण 25, 1913
NEW DELHI, FRIDAY, AUGUST 16, 1991/SRAVANA 25, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

(आयात व्यापार नियंत्रण)

आदेश सं 68/90-93

नई दिल्ली, 16 अगस्त, 1991

का. आ. 531 (अ) :—आयात व निर्यात (नियं-
क्षण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) की धारा
3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय
सरकार एतद्वारा भारत सरकार, वाणिज्य मंत्रालय की
अधिसूचना सं. सा आ. 295 (अ) दिनांक 30
मार्च, 1990 के अंतर्गत प्रकाशित आयात व्यापार नियं-
क्षण आदेश सं. 16/90-93, दिनांक 30 मार्च, 1990
में आगे निम्नलिखित संशोधन करती है :—

उक्त आदेश में, (1) खुले सामान्य लाइसेंस सं.
16/90 की शर्त सं. 20 के बाद निम्नलिखित शर्त को
जोड़ा जाएगा, अर्थात् :—

“20 (क) अनुसूची की क्रम संख्या 17 में उल्लिखित
कारों, स्टेशन बैगनों, जीपों, मोटर साइकिलों,
स्कूटरों, आटो-साइकिलों, मिनी कारों और मोपेडों
(जिन्हें इस के बाद मोटर वाहन कहा गया
है), का आयात करने के लिए निम्नलिखित
व्यक्ति पात्र होंगे :—

- (क) भारतीय नागरिक अथवा भारतीय मूल के
विदेशी नागरिक जो स्थायी रूप से भारत में
बसने के लिए आ गए हों।
- (ख) विदेशी नागरिक (भारतीय मूल के व्यक्तियों/
सहित) जिनका विवाह भारतीय नागरिकों से
हुआ हो।
- (ग) भारत में कार्यरत विदेशी नागरिक और विदेशी
विशेषज्ञ।
- (घ) विदेशी संस्थाओं (निगमित या अन्य) की शाखा/
कार्यालय।

- (इ) विदेशी सहयोग वाली रूप में भुगतान करने वाली कम्पनी।
 - (च) विदेशी समाचार एजेंसियों के मान्यताप्राप्त या पत्रकार या संवाददाता।
 - (छ) हवाई कम्पनियां।
 - (ज) विदेशों में ठेके लेने वाली भारतीय फर्में।
 - (झ) धर्मार्थ व मिशनरी संस्थाएं।
 - (ञ) विदेशी सरकारों के अर्थनैतिक वाणिज्यदूत।”
- वर्णित कि:—

- (1) लागत, भाड़े या बीमे के लिए देय राशि के लिए भारत में विदेशी मुद्रा का परेपण करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।
- (2) सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 के उपबन्धों के अंतर्गत मोटर वाहन के लिए उगाहे जाने वाले सीमाशुल्क की राशि का भुगतान विदेशी मुद्रा में किया जाएगा। परन्तु केन्द्रीय सरकार या सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के कर्मचारी जो विदेशी हुनावासों/उच्चायोगों या सार्वजनिक क्षेत्र के विदेश स्थित कार्यालयों में नियुक्त किए जाते हैं, सीमाशुल्क की राशि का भुगतान भारतीय मुद्रा में कर सकते हैं।
- (3) मोटर वाहन के भारत पहुंच जाने पर उसे आयातक के नाम में पंजीकृत कराया जाना चाहिए।
- (4) परिशिष्ट-6 की मद 51 क की श्रेणी ख, घ, च, छ, ज और झ के अंतर्गत आयातित मोटर वाहन के स्वामित्व को मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, नई दिल्ली को लिखित स्वीकृति के बिना उसके आयात किए जाने की तारीख से पांच वर्षों से पूर्व स्थानान्तरित नहीं किया जाएगा, जब तक कि अन्यथा न बतलाया गया हो।
- (5) निर्यातक को मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात के संबंधित स्थानीय कार्यालय में निर्धारित प्रपत्र में आयात पर लागू होने वाली शर्तों को पूरा करने का वचन देते हुए भारत के राष्ट्रपति के पक्ष में मोटर वाहन के सीमाशुल्क आकलित लागत बीमा भाड़ा मूल्य के बराबर राशि के लिए एक बंधपत्र भरना होगा। जैसी स्थिति हो, 5 वर्षों या इससे अधिक की “विक्री न का जाने की निर्धारित अवधि” के लिए वाहन को गिरवी रखने के मद्दे मोटर वाहन के सीमाशुल्क आकलित लागत बीमा-भाड़ा मूल्य के लिए बंधपत्र के साथ किसी अनुसूचित बैंक की बैंक गारण्टी होनी चाहिए। बंधपत्र छ: वर्षों की अवधि के लिए वैध होगा जिसे मुख्य नियंत्रक

आयात-निर्यात के संबंधित कार्यालय द्वारा यथा अपेक्षित ऐसी और अवधि के लिए बढ़ाया या पुनः नवीनीकृत किया जा सकता है।

- (6) मोटर वाहन के आयात के साथ-साथ 2,500 रुपये के लागत बीमा भाड़ा मूल्य तक के अतिरिक्त पुर्जों का आयात किया जा सकता है।

किसी विशेष श्रेणी पर लागू होने वाली विशेष शर्तें

- (7) भारतीय नागरिक या भारत में स्थायी तौर से रहने के लिए आने वाले भारतीय मूल के विदेशी नागरिकों को विदेश में लगातार 2 वर्षों की अवधि तक रुके होना चाहिए तथा मोटर वाहन विदेश में उसकी अपनी ही अर्जिन की गई आय से खरीदी गई होनी चाहिए। भारतीय आवास स्थानान्तरण नियमों के अन्तर्गत 1400 सी सी के आकार वाले इंजन तक की नये मोटर वाहन भी आयात कर सकते हैं वर्णित कि विदेश में इसका भुगतान भारत लौटने से पहले ही कर दिया गया हो। तथापि 1400 सी सी से अधिक आकार के इंजन वाले मोटर वाहनों का आयात इस शर्त पर किया जाएगा कि भारत लौटने से पूर्व कम से कम 1 वर्ष की अवधि तक आवेदक ने उस मोटर वाहन का इस्तेमाल किया हो। आयातक को विधिवत अधिसूचित निर्धारित प्रोफार्मा में एक हलफनामा प्रस्तुत करना होगा। प्रथम मोटर वाहन के आयात की तारीख से कम से कम 5 वर्षों की अवधि तक भारत में रहने के बाद ही दूसरे मोटर वाहन के आय की अनुमति दी जाएगी।
- (8) विदेशी नागरिक भारतीय नागरिकों से विवाहित भारतीय मूल के व्यक्तियों सहित स्थायी तौर से रहने के लिए भारत आने वाले व्यक्ति कोई मोटर/वाहन माता-पिता से उपहार के रूप में और विवाह के एक वर्ष की अवधि के भीतर केवल एक बार ही आयात कर सकते हैं अथवा यदि मोटर वाहन स्वयं अर्जित की गई विदेशी मुद्रा से खरीदा गया हो और विवाह से पहले इस्तेमाल में रहा हो तथा आयात नीति के किसी अन्य प्रावधान के अन्तर्गत कोई मोटर वाहन आयात न किया गया हो तो ऐसे व्यक्ति केवल एक बार ही मोटर/वाहन का आयात कर सकते हैं।
- (9) भारत में सार्वजनिक या निजी क्षेत्र में नये हुए भारतीय मूल के विदेशी नागरिकों सहित अन्य विदेशी नागरिक इस शर्त पर मोटर वाहन आयात करने के पात्र होंगे कि भारत में उनकी नियुक्ति कम से कम एक वर्ष के लिए हो और

- (10) स्व: नियोजित विदेशी नागरिकों को केन्द्रीय/राज्य सरकार में व्यवसाय की प्रकृति और आयात के लिए औचित्य से संबंधित प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना होगा।
- (11) सहायता कार्यक्रमों के तहत भारत में आने वाले विदेशी विशेषज्ञों को सामान्य व्यौरा, कार्य का स्वरूप, संभाव्य अवधि, सहायता कार्यक्रमों का व्यौरा, मोटर वाहन के खरीद बीजक/पंजीकरण, उसके स्वामित्व के प्रमाणपत्र देते हुए नियुक्ति/नियोजन का प्रमाणपत्र पत्र प्रस्तुत करना होगा।
- (12) ऊपर (9), (10) और (11) में उल्लिखित सभी मामलों में उपर्युक्त आयात इस शर्त के अधीन होगा कि लघु अवधि जो 3 मास से अधिक न हो, के लिए विदेश में भ्रमण के सिवाय जब आयातक भारत छोड़ेगा तो मोटर वाहन का पुनः निर्यात कर दिया जाएगा अथवा भारत में राज्य व्यापार निगम को अथवा मोटर वाहन का आयात करने के लिए पात्र किसी अन्य विदेशी नागरिक को बेच दिया जाएगा। वरतें कि खुले बाजार में मोटर वाहन की बिक्री की अनुमति मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात, नई दिल्ली द्वारा इस शर्त के अधीन दी जाएगी कि विदेशी को उपलब्ध प्रतिदेय मूल्य सीमाशुल्क मूल्यांकन के प्रयोजन के लिए लागू दर पर मूल्यह्रास घटाने के बाद विदेशी मुद्रा में चुकायी गयी कुल लागत से अधिक न हो।
- (13) विदेशी संस्थाओं (निगमित अथवा अन्य) की शाखाएं/कार्यालय एक बार मोटर वाहन (यदि विभिन्न नगरों में एक शाखा/कार्यालय से अधिक शाखा/कार्यालय हों तो 2) इस शर्त के अधीन आयात करने के लिए पात्र होंगे कि सरकार भारतीय रिजर्व बैंक भारत में शाखा/कार्यालय खोलने के लिए स्वीकृति दे दें। दूसरे मोटर वाहन के आयात की अनुमति इस शर्त के अधीन दी जाएगी कि पहला मोटर वाहन भारतीय राज्य व्यापार निगम को बेचा गया हो।
- (14) विदेशी सहयोग वाली वह भारतीय कंपनी उन मामलों में मोटरवाहन का आयात करने के लिए पात्र होगी जहां समय-समय पर सहयोग करार हेतु अपेक्षित रोजगार/विदेशी निवेशक अथवा तकनीकी विशेषज्ञों का दौरा जरूरी हो। मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, नई दिल्ली दस वर्ष की अवधि के बाद मोटर वाहन की बिक्री की अनुमति दे सकते हैं और इसे प्रथमतः भारतीय राज्य व्यापार निगम को बिक्री के लिए प्रस्तुत करना अपेक्षित होगा।
- (15) विदेशी समाचार एजेंसियों के अधिकृत पत्रकार या संवाददाता मोटर वाहन आयात करने के लिए पात्र होंगे वरतें कि वह इसके लिए पत्र सूचना कार्यालय, नई दिल्ली की सिफारिश प्रस्तुत करें, और गत यह है कि वह इसका पुनः निर्यात या बिक्री भारतीय राज्य व्यापार निगम को करें।
- (16) हवाई जहाज कम्पनियों मोटर वाहन का आयात करने के लिए पात्र होंगे वरतें कि वह इसके लिए सिविल विमानन मंत्रालय, नई दिल्ली की सिफारिश प्रस्तुत करें। आयात पुनः निर्यात अथवा भारतीय राज्य व्यापार निगम को बिक्री की शर्त के अध्याधीन होगा।
- (17) विदेश में संचित करने वाली भारतीय फर्म परियोजना के वास्तव में पूरा हो जाने पर भी मोटर वाहन का आयात करने की पात्र होगी। और उन्हें संचित करने के लिए मोटर वाहन की खरीद हेतु संचित तथा समुद्र पार चर्चों की मंजूरी के लिए भारतीय रिजर्व बैंक भारत सरकार का अनुमोदन प्रस्तुत करना होगा।
- (18) जिन भारतीय कम्पनियों के विदेश में कार्यालय हैं, विदेश में उनका कार्यालय बंद हो जाने की दशा में ये मोटर/वाहन का आयात करने की पात्र होंगी, लेकिन इसके लिये शर्त यह है कि मोटर वाहन खरीदने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक का अनुमोदन प्राप्त कर दिया जाए और यह प्रमाणपत्र प्रस्तुत किया जाए कि विदेश में उनका कार्यालय बंद हो जाने से कम से कम एक वर्ष पहले से विदेश में कम्पनी मोटर वाहन का इस्तेमाल कर रही है।
- (19) पुण्यार्थ और धर्मार्थ संस्थाएं उपहार स्वरूप मोटर वाहनों का आयात करने की पात्र होंगी वरतें कि वह एक संस्थापित संस्थान हो जो समुदाय के सामान्य लाभ के लिये कार्य कर रहा हो और वह इसके लिये विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम, 1975 के तहत आवश्यक क्लीअरेंस प्रस्तुत करें।
- (20) विदेशी सरकारों के अवैतनिक वाणिज्यदूत मोटर वाहन आयात के पात्र होंगे वरतें कि वह इस निमित्त विदेश मंत्रालय की विशिष्ट सिफारिश प्रस्तुत करें। प्रथम मोटर वाहन के आयात की तारीख के बाद से कम से कम 5 वर्ष की अवधि के बाद दूसरे मोटर वाहन के आयात की अनुमति मिल जाने पर ही खुले बाजार में पहले मोटर वाहन की बिक्री के अनुरोध पर मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, नई दिल्ली द्वारा विचार

किया जायेगा। जहाँ पांच वर्षों की अवधि के दौरान अवैतनिक वाणिज्यदूत बदल जाते ह, वहाँ नये अवैतनिक वाणिज्यदूत को दूसरे मोटर वाहन के आयात की अनुमति नहीं दी जायेगी लेकिन उसके पूर्वोक्तकारी द्वारा आयात किए गए मोटर वाहन को उक्त अवैतनिक वाणिज्यदूत को मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, नई दिल्ली की पूर्वानुमति से हस्तांतरित कर दिया जाएगा।

- (3) खुले सामान्य लाइसेंस सं. 16/90 की अनुसूची में क्रम सं. 16 के बाद निम्नलिखित क्रम सं. और उससे सम्बन्धित प्रविष्टि जोड़ी जाएगी, नामशः :— “17. कार, स्टेशन वैन, जीप, मोटर साइकल, स्कूटर, आटो साइकल, मिनी कारें और मोपेड्स।”

[फाइल सं. आई पी सी/4/5 (126)/85-88]

डी. आर. मेहता,

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

टिप्पणी :—मुख्य आदेश सा. आ. सं. 295 (अ) दिनांक 30 मार्च, 1990 द्वारा प्रकाशित किया गया था बाद में यह आदेश सं. सा. आ. सं. 733 (अ) दिनांक 31 अक्टूबर, 1990, सं. सा. आ. 15 (अ) दिनांक 11 जनवरी, 1991 और सा. आ. 525 (अ) दिनांक 14-8-91 द्वारा संशोधित किया गया है।

MINISTRY OF COMMERCE

(Import Trade Control)

ORDER NO. 68/90—93

New Delhi, the 16th August, 1991

S.O. 531(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby makes the following further amendment in the Import Trade Control Order No. 16/90-93, dated the 30th March, 1990 published under the notification of the Government of India in the Ministry of Commerce No. S.O. 295(E), dated the 30th March, 1990, namely :—

In the said order,—(1) in Open General Licence No. 16/90, after Condition No. (20), the following conditions shall be inserted, namely :—

“(20-A) In the case of cars, station wagons, jeeps, motorcycles, scooters, auto-cycles, mini-cars and mopeds referred to in serial No. 17 (hereinafter referred to as motor vehicle) of the Schedule, the persons eligible to import shall be:—

- (a) Indian nationals or foreign nationals of Indian origin returning to India for permanent settlement;

(b) Foreign nationals (including persons of Indian origin) married to Indian nationals;

(c) Foreign nationals and foreign experts working in India;

(d) Branches/Offices of Foreign institutions (Corporate or otherwise);

(e) Rupee Company having Foreign Collaboration;

(f) Accredited Journalists or Correspondents of Foreign news agencies;

(g) Air Companies;

(h) Indian firms executing contracts abroad;

(i) Charitable and missionary institutions;

(j) Honorary consuls of foreign Governments”

Provided that :—

(i) Remittance of foreign exchange from India towards payment of the cost, freight or insurance will not be allowed;

(ii) The Customs duty, for the motor vehicle which is leviable under the provisions of the Customs Act, 1962, is to be paid in foreign exchange: Provided that employees of the Central Government, State Government or Public Sector Undertakings, who are posted in Indian Embassies/High Commissions abroad or in foreign offices of public sector undertakings, may make the payment of Customs duty in Indian Currency;

(iii) On arrival of the motor vehicle in India it should be got registered in the name of the importer;

(iv) The ownership of the motor vehicle imported under categories B, D, F, G, H and I of item 51A of Appendix 6 shall not be transferred for five years from the date of importation without the written permission of the Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi unless otherwise provided;

(v) The importer is required to execute a Bond in the prescribed proforma for an amount equal to the Customs assessed C.I.F. value of the motor vehicle in favour of the President of India at the concerned local Office of the Chief Controller of Imports & Exports, undertaking to fulfil the conditions applicable to import. The Bond should be supported by bank guarantee of a scheduled bank for the Customs assessed C.I.F. value of the motor vehicle against mortgage of the vehicle for the No sale period of five years or more as the case may be. The Bond shall be valid for a period of six years to be extended or renewed for such further period as may be required by the concerned Office of CCI&E;

(vi) Import of spares upto a C.I.F. value of Rs. 2,500 can be made alongwith the import of motor vehicle.

Special Conditions applicable to particular Category.

(vii) Indian nationals or foreign nationals of Indian origin returning to India for permanent settlement must have stayed abroad continuously for a period of 2 years and the motor vehicle has been purchased out of his own earnings abroad. Import of even new motor vehicle upto engine size 1400 cc can be made by Indians under Transfer of Residence Rules subject to the condition that the payment has been made abroad before returning to India. However, import of motor vehicle of engine size above 1400 cc will be subject to the condition that the vehicle has been in use of the applicant at least for a period of one year prior to return to India. The importer is required to furnish an affidavit in the prescribed proforma duly notarised. Import of a second motor vehicle will be allowed only after a minimum period of 5 years stay in India from the date of import of the first motor vehicle;

(viii) Foreign nationals including persons of Indian origin married to Indian Nationals coming to India for permanent settlement may import a motor vehicle only once as a gift from the parents and within a period of one year of the marriage or may import motor vehicle only once if it was purchased out of his own foreign exchange earnings and the motor vehicle was in use before marriage and no motor vehicle has been imported under any other provision of the import policy;

(ix) Foreign nationals including those of Indian origin employed in India in public or private sector will be eligible to import a motor vehicle if the assignment in India is for a minimum period of one year and subject to production of employer's certificate in original;

(x) Self-employed foreign nationals will be required to produce Central/State Government certificate regarding the nature of profession and justification for import;

(xi) Foreign experts coming to India under Aid Programmes will be required to produce a certificate of assignment/employment from the concerned Government Department giving general particulars, nature of work, likely tenure, particulars of aid programmes, purchase invoice/registration certificate of ownership of the motor vehicle;

(xii) In all cases mentioned at (ix), (x) and (xi) above import will be subject to the condition that except for a short visit abroad not exceeding 3 months, the motor vehicle shall be re-exported or sold to the State Trading Corporation of India or to any other foreign national entitled to import a motor vehicle, when the importer leaves India. Provided that sale of the motor vehicle in the open market may be permitted by the Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi subject to the condition that the realisable value available to the foreigner not more

than the landed cost paid in foreign exchange after deducting depreciation at the rate applicable for the purposes of Customs valuation.

(xiii) Branches/Offices of Foreign institutions (Corporate or otherwise) will be eligible to import one motor vehicle (two if there are more than one branch/office in different towns) subject to the approval of the Government of India/Reserve Bank of India for opening the branch/office in India. Import of a second motor vehicle may be allowed after a lapse of five years from the date of importation of the first vehicle subject to the sale of first vehicle to the State Trading Corporation of India.

(xiv) Indian Company having foreign collaboration will be eligible to import a motor vehicle in cases where the collaboration agreement require employment/visit of foreign director or technical experts from time to time. The Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi may allow sale of the motor vehicle after a period of ten years and the same shall be required to be offered for sale first to the State Trading Corporation of India;

(xv) Accredited journalists or correspondents of foreign news agencies will be eligible to import motor vehicle subject to production of the recommendation of the Press Information Bureau, New Delhi and subject to the condition of re-export or sale to the State Trading Corporation of India;

(xvi) Air companies will be eligible to import motor vehicle subject to the production of recommendation of the Ministry of Civil Aviation, New Delhi. Import will be subject to the condition of re-export or sale to State Trading Corporation of India;

(xvii) Indian firms executing contracts abroad will be eligible to import motor vehicle on substantial completion of the project and will be required to produce approval of Reserve Bank of India/Government of India sanctioning contract and expenditure overseas for the purchase of the motor vehicle for the execution of the contract;

(xviii) Indian companies having offices abroad will be eligible to import the motor vehicle in case their office is wound up in the foreign country subject to the production of the approval of the Reserve Bank of India towards purchase of the motor vehicle and a certificate that the motor vehicle has been in use of the company abroad for atleast one year before the winding up of the foreign office.

(xix) Charitable and Missionary institutions will be eligible to import motor vehicle as gift subject to the condition that the institution is an established one functioning for the common benefit of the community and subject to production of necessary clearance under the Foreign Contribution (Regulation) Act, 1976.

(xx) Honorary Consuls of Foreign Governments will be eligible to import a motor vehicle subject to production of the specific recommendation of the Ministry of External Affairs. Import of second motor vehicle may be allowed after a minimum period of five years from the date of import of the first motor vehicle. The request for sale of the first motor vehicle in the open market may be considered by the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi in the event of permitting import of a second motor vehicle. Where an Honorary consul is changed during the period of five years, the new Honorary Consul shall not be allowed to import another motor vehicle but the motor vehicle imported by his predecessor shall be transferred to the Honorary Consul with the prior approval of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi."

(II) In the Schedule to Open General Licence No. 16/90, after Serial No. 16, the following serial number and entry relating thereto shall be inserted, namely :—

"17. Cars, Station Wagons, jeeps, motorcycles, scooters, autocycles, mini cars and mopeds."

(File No. IPC/4/5(126)/85-88)

D. R. MEHTA, Chief Controller of Imports and Exports

NOTE : The Principal Order was published vide S.I. No. 295(E) dated the 30th March, 1990. This Order has subsequently been amended by S. No. 733 (E) dated the 31st October, 1990, No. S.O. 15 (E) dated 11th January, 1991 and S.O. 525(E) dated 14-8-1991.